Various Programme related to personality development

Page No. 33
Date: / /

:: हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन ::

हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन दिनाँक:- 18-09-2018 को किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को उच्चतम अंकों के आधार पर मनोनीत किया गया:-

1/ अध्यक्ष - कु० हेमलता
2/ उपाध्यक्ष - कु० दुलेश्वरी
3/ सचिव - होमेश्वर
4/ सह-सचिव - पूनमचन्द
5/ कार्यकारिणी सदस्य- 1/ देवश्रुति
2/ नमिता
3/ भूषण
4/ विवेक
5/ रूपेन्द्र
6/ वत्सला
7/ ओमेश्वरी
8/ नम्रता
9/ कंचन

विभागाध्यक्ष

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

हिन्दी साहित्य परिषद् गठन

हिन्दी साहित्य परिषद् का गठन [illegible] [illegible] को किया गया। [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] का चयन किया गया।

अध्यक्ष - [illegible]
उपाध्यक्ष - [illegible]
सचिव - [illegible]
सह सचिव - [illegible]
कोषाध्यक्ष - [illegible]
सदस्य [illegible]
कार्यकारिणी - 1 [illegible]
सदस्य 2 [illegible]
3 [illegible]
4 [illegible]
5 [illegible]
6 [illegible]
7 [illegible]
8 [illegible]

विभागाध्यक्ष

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस (28 नवंबर) पर
व्याख्यानमाला

PAGE NO.
DATE:

28 नवम्बर

बी.सी.एस. शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी हिन्दी विभाग में 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। निबंध, गीत, कविता, भाषण एवं व्याख्यानमाला में छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती श्रीदेवी चौबे ने छत्तीसगढ़ी राजभाषा पर विचार रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा निरंतर विकासशील है दैनिक दिनचर्या में इसकी महत्ता बढ़ती जा रही है। यह छत्तीसगढ़ की पहचान है। इसका संरक्षण एवं संवारने का कार्य हमको करना है।

युवा साहित्यकार एवं महाविद्यालय प्राध्यापक प्रो. के. बी. सत्यार्थी ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी मातृभाषा है जो हमारे जीवन को संवारती है। हम अपने घर में ही छत्तीसगढ़ी भाषा सीखते हैं बोलते हैं। हमारे बोलचाल और व्यवहार में रचा बसा है। राजकाज में इसका प्रयोग किया जा रहा है। समाज की भाषा और संस्कृति ही उसकी मूलाधार होती है। शिक्षा का माध्यम यदि छत्तीसगढ़ी भाषा को बनाया दिया जाए तो निश्चित है कि हमारी पीढ़ियां और संवर जाएगी। अपनी संस्कृति, परम्परा की धाराएं प्रवाहशील रहेगी। आज छत्तीसगढ़ी भाषा राजभाषा के रूप में जनजीवन को नई दिशा दिखा रही है। यह भाषा हमारे छत्तीसगढ़ की मान सम्मान शान है। अतः हमें संकल्पबद्ध होकर छत्तीसगढ़ी में सारे कामकाज करने की आवश्यकता है। इस अवसर प्रो. सत्यार्थी ने अपने गीत, गजल व कविताएं सुनाकर मन मोह लिया। डॉ. गायत्री साहू ने छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान है। इसमें जीवन रचा बसा है। इसी तरह डॉ. चन्द्रिका साहू ने

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Scanned with CamScanner

हिन्दी विभाग में अतिथि व्याख्यान

जनपदीय साहित्य एवं साहित्यकार

दिनांक 9-12-2019

हिन्दी विभाग में आज दिनांक 9-12-2019 को अतिथि व्याख्यान के अंतर्गत जनपदीय साहित्य एवं साहित्यकार विषय पर महासमुन्द कॉलेज के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनुसुइया अग्रवाल का व्याख्यान कार्यक्रम संपन्न हुआ।

लोक साहित्य पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि साहित्य के दो प्रकार हैं पहला लोक साहित्य और दूसरा शिष्ट साहित्य। लोक साहित्य जनमानस द्वारा सदियों से प्रवाहशील है। यह लिखित रूप में नहीं है। जबकि शिष्ट साहित्य लिपि बद्ध रूप में मौजूद है। बिहारी का साहित्य हो या कबीर का या आधुनिक साहित्य। जनपद साहित्य के अंतर्गत छत्तीसगढ़ी भाषा के लोकगाथा जैसे अहिमन रानी लोरिकचंदा या दाना जो मौखिक रूप से प्रवाहित है। लोक साहित्य जनजीवन को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि जनपदीय साहित्यकारों में डॉ. विनय कुमार पाठक, सत्य भामा आडिल, दानेश्वर शर्मा, हीरा ठाकुर, मुकुंद कौशल, नारायण-लाल परमार आदि का लिया जा सकता है। इनके द्वारा सृजित साहित्य छत्तीसगढ़ी साहित्य के लिए आधार स्तंभ है।

व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीमती चंद्रिका साहू और आभार प्रदर्शन प्रो. के. वी. सत्यार्थी ने किया। इस अवसर पर अतिथि प्राध्यापक डॉ. कु. गायत्री साहू, शोधार्थी कु. कामिनी ध्रुव, मैत्या शर्मा, धानेश्वरगिरी सहित बड़ी संख्या में हिन्दी के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

—//—

दिनांक - 9.12.2019 समय - 1 घंटे उप. 50

विभागाध्यक्ष

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Signature ________

छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस (28 नवंबर) पर व्याख्यान माला

Shakti PAGE NO. DATE

28.11.2017

बी.सी.एस. शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी हिन्दी विभाग में 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। निबंध, गीत, कविता, भाषण एवं व्याख्यानमाला में छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती श्रीदेवी चौबे ने छत्तीसगढ़ी राजभाषा पर विचार रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा निरंतर विकासशील है दैनिक दिनचर्या में इसकी महत्ता बढ़ती जा रही है। यह छत्तीसगढ़ की पहचान है। इसका संरक्षण एवं संवारने का कार्य हम सबका है।

युवा साहित्यकार एवं महाविद्यालय प्राध्यापक प्रो. के. बी. सत्यार्थी ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ी हमारी मातृभाषा है जो हमारे जीवन को संवारती है। हम अपने घर में ही छत्तीसगढ़ी भाषा सीखते हैं बोलते हैं। हमारे बोल-चाल और व्यवहार में रचा बसा है। राजकाज में इसका प्रयोग किया जा रहा है। समाज की भाषा और संस्कृति ही उसकी मूलाधार होती है शिक्षा का माध्यम यदि छत्तीसगढ़ी भाषा को बनाया दिया जाए तो निश्चित है कि हमारी पीढ़ियां और संवर जाएगी। अपनी संस्कृति, परम्परा की धाराएं प्रवाहशील रहेगी। आज छत्तीसगढ़ी भाषा राजभाषा के रूप में जनजीवन को नई दिशा दिखा रही है। यह भाषा हमारे छत्तीसगढ़ की मान सम्मान शान है। अत: हमें संकल्पबद्ध होकर छत्तीसगढ़ी में सारे कामकाज करने की आवश्यकता है। इस अवसर प्रो. सत्यार्थी ने अपने गीत, गजल व कविताएं सुनाकर मन मोह लिया। डॉ. गायत्री साहू ने छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान है। इसमें जीवन

NCIPAL
G. College

प्रश्नोत्तरी के लिए प्रश्न

NOTES

1. भारत की आज़ादी के बाद [illegible] पहले [illegible] का नाम बताइये — [illegible]

(2) संसार का ऐसा देश जहां सिर्फ पुरुष ही रहते हैं — वेटिकन सिटी

(3) भारत के प्रथम आई.सी.एस. अफसर का नाम बताइये — सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

(4) संसार का सबसे गरीब देश — सूडान

(5) विश्व का ऐसा कौन सा देश है जो कभी गुलाम नहीं रहा — नेपाल

(6) विश्व में सबसे अधिक सोना कहां मिलता है — द. अफ्रीका

(7) उस देश का नाम बताइये जहां [illegible] का [illegible] है — स्पेन

8 विश्व की सबसे बड़ी लाइब्रेरी — लेनिन लाइब्रेरी - मास्को

NOTES

(9) विश्व का पहला ओलंपिक खेल कहां हुआ था — यूनान — 776

(10) विश्व के किस देश का राष्ट्रगान [illegible] — [illegible]

(11) उस देश का नाम बताइये जिसे [illegible] का देश कहा जाता है — [illegible]

(12) भारत का सबसे बड़ा [illegible] का नाम बताइये — [illegible]

(13) भारत में [illegible] कहां है — [illegible]

(14) [illegible] का नाम बताइये — [illegible]

(15) गांधीजी के राजनीतिक गुरु कौन थे — गोपालकृष्ण गोखले

(16) भारत के सबसे पहले [illegible]

(17) संविधान सभा में कितनी समितियां होती हैं — 24 समितियां

NOTES

(18) भारत के सबसे सुन्दर इमारत का नाम बताइये — ताजमहल

(19) विश्व का सबसे बड़ा [illegible] वाला देश — [illegible]

(20) भारत का संविधान से [illegible] होता है — राष्ट्रपति

(21) भारत के प्रथम राष्ट्रपति का नाम बताइये — डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(22) अब तक भारत में कितने मुख्य न्यायाधीश हो चुके हैं — 17 · क्र. 18 वें

(23) भारत के वर्तमान (2024) [illegible] का नाम बताइये — [illegible]

(24) मुख्य निर्वाचन अधिकारी का नाम बताइये — J.M Lyngdoh

(25) [illegible] का नाम बताइये जो तीन देशों में बहती है — भारत, चीन, बांग्लादेश

NOTES

(26) [illegible]

(27) राष्ट्रीय शोक कितने दिन होता है — 3 दिन

(28) [illegible]

(29) गणतंत्र की स्थापना — 26 जनवरी 1950

(30) राष्ट्रगीत — वन्देमातरम्

(31) [illegible]

(32) भारत के प्रथम आपातकाल का नाम बताइये — 1975

(33) [illegible]

(34) [illegible]

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

[illegible]

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी
अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित प्रतियोगिता 2018-19

प्रतियोगिता का नाम - प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

20 . 02 2019

	क.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा का नाम			
Team I	1	खिलेश्वर	M.A IV Sem	14 भौमिका	III	M.A II
	2	कमलेश्वरी	M.A IV	15 रेखा		M.A II
	3	भूषण	M.A IV	16 कुलेश्वरी		M.A II
	4	पदमावती	M.A II	17 दिव्या		M.A II
	5	बलराम	M.A II	18 योगिता		M.A II
	6	निर्मला	M.A IV	19 किरण		M.A II
	7	डोमेश्वरी	M.A IV	20 उपासना	IV	M.A IV
Team II	8	भारती	M.A IV	21 दामिनी		M.A IV
	9	केवार	M.A IV	22 देवेन्द्र		M.A II
	10	धर्मिला	M.A II	23 कुलेश्वरी		M.A II
	11	रेणुका	M.A II	24 डेमिन		M.A II
	12	टेकेश्वर	M.A IV	25 मनीष		M.A II
	13	सनेराम	M.A II	26 डोमनलाल		M.A IV

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

निर्णायक का नाम एवं हस्ताक्षर .... Dr. Tomeshwari Sahu

पद .... Asstt. Prof.

प्रतिभागियों के नाम

III. विज्ञान → ऐमेकरी, पूजा, उद्दीपिका, अनुराधा, निमता, ममता

IV. कला – माधवी, अनीता, मेघना, दीपक, संतराम

I. [illegible] → नेहा, पुलकेश्वरी, दिव्या, प्रेमिला, दिलीप

II. [illegible] → भामिनी, नेहा, ओमेश्वरी, डोनिन, नवीन, ईशिका

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

[illegible]

I	II	III	IV
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
–	–	–	2
2	–	–	–
2	2	2	2
2	2	2	2
2	2	2	2
–	–	2	2
–	–	2	–
–	–	2	2
–	–	–	2
–	–	–	–
		2	–
		2	2
12	16	12	15
III	IV	I	II

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

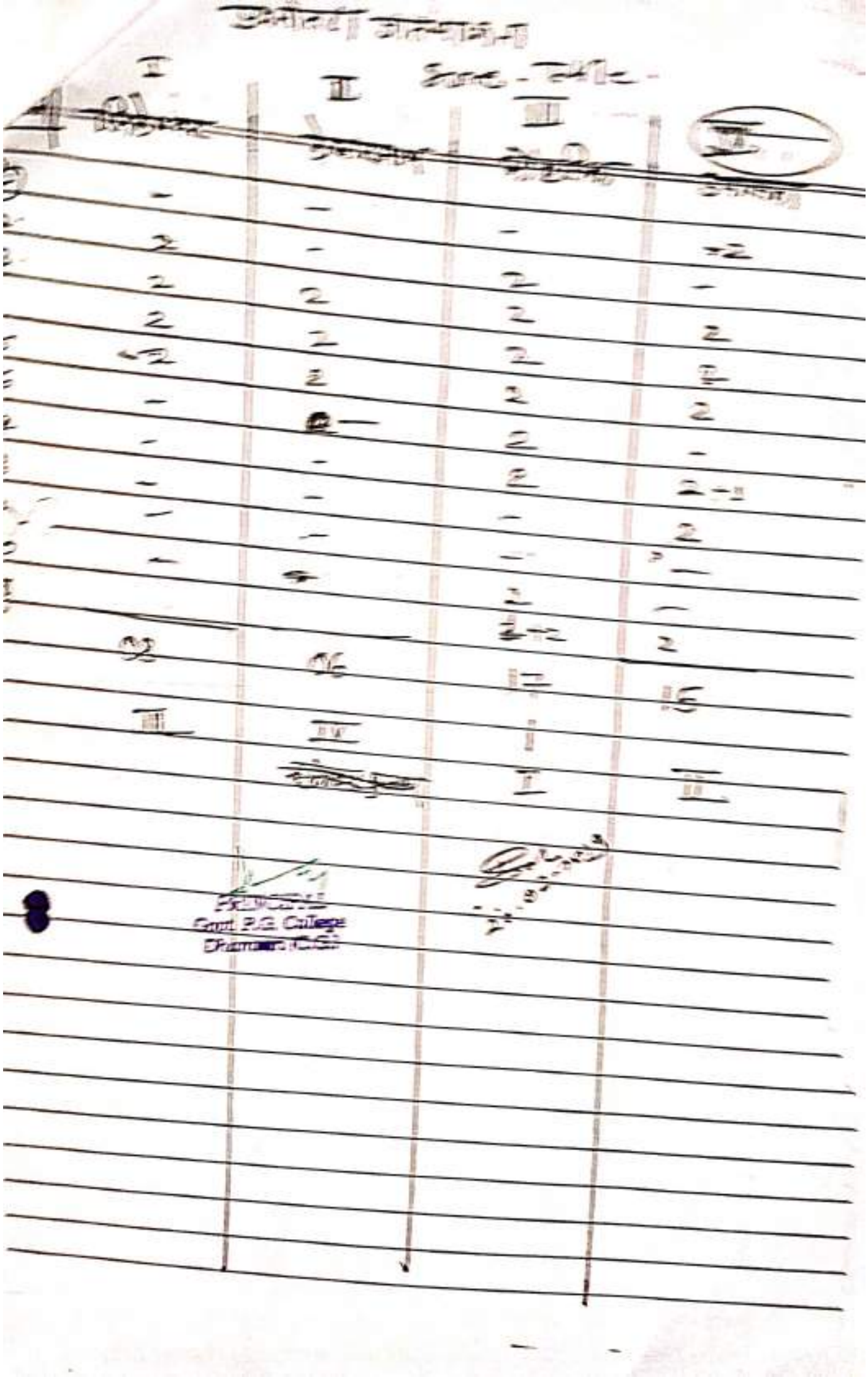

ACKNOWLEDGMENT

नाम - गोपेन्द्र नारायण साहू

कक्षा - एम. ए. (प्रथम सेमेस्टर) इतिहास

विषय - प्राचीन कालीन एवं मध्य छत्तीसगढ़

प्रोजेक्ट - तेलिनसत्ती की सामाजिक ~~एवं~~ दशा एवं स्थिति

महाविद्यालय - शास. स्ना. ~~महा~~ महाविद्यालय धमतरी (छ.ग.)

मैम - श्रीमति हेमवती ठाकुर

By

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Topic PROJECT Page No. Date

तेलिनसत्ती की सामाजिक दशा स्थिति

रूपरेखा :-

1. भूमिका
2. गाँव की स्थिति एवं नामकरण
3. सामाजिक संरचना
4. विभिन्न जातियों का वर्गीकरण
5. खान - पान
6. वेशभूषा एवं आभूषण
7. मनोरंजन के साधन
8. जन्म संस्कार
9. विवाह संस्कार
10. मृत्यु संस्कार
11. गांव में महिलाओं की दशा

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

① **भूमिका :-** भारत में सबसे छोटी ईकाई गांव को कहा जाता है। ग्राम या गांव उन छोटी-छोटी मानव बस्तियों को कहते हैं गाँव की जनसंख्याएँ कुछ सौ से लेकर हजार के बीच होती हैं। प्रायः गांवों के लोग कृषि या कोई अन्य परम्परागत काम करते हैं। गांव में घर प्रायः बहुत पास-पास व अव्यवस्थित होते हैं। परम्परागत रूप से गांवों में शहरों की अपेक्षा कम सुविधाएँ जैसे- शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य आदि होती हैं। यह गांवों में एक नियमित रूप से सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थित ढंग से किया जाता है। यह सभी प्रकार की कार्यक्रमों को गांव के माध्यम से एकत्रित होकर चलते हैं। गांवों के लोगों में आपसी सामाजस्य-भाईचारा, तथा एकता होती है। जो समाज तथा गांव में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। देश के उत्थान एवं विकास में गाँव की अहम भूमिका रहती है।

② **गांव की स्थिति एवं नामकरण :-**

यह भारत देश के छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले से छः कि.मी. दुर उत्तर दिशा में स्थित पावन ग्राम तेलिनसत्ती स्थित है। बुजुर्गों का कहना है कि जो तेलिनसती गांव है यहाँ पर कोई भी ग्रामीण यालेग निवासरत नहीं थे क्योंकि वहाँ बना पहले घना जंगल हुआ करता था। धीरे-धीरे लोग निवास

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

यहाँ निवास ~~कर~~ करने लगे। यहाँ की आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी थी। वर्तमान परिवेश में देखा जाएँ तो यहाँ की आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी है। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में निवासरत लोग ज्यादातर कृषि पर आधारित हैं। यह गांव तेलिनसत्ती कृषि व्यवस्था पर आधारित हैं।

पावन ग्राम तेलिनसत्ती का नामकरण यह प्राचीन ~~क~~ से हुआ हैं। तेलिनसत्ती का नाम दो प्रकार से किया गया हैं. तेलिन + सत्ती = तेलिनसत्ती हैं। इस गांव में ज्यादातर तेलि जाति के लोग निवास करते हैं. इसलिए इस ग्राम को तेलिनग्राम के नाम से जाने लगा। पावन ग्राम तेलिनसत्ती का नाम एक तेलि जाति के परिवार से हुआ हैं। जहाँ एक परिवार में 1 बहन और 7 भाई थे, जिसकी बहन के आधार पर तेलिनसत्ती का नाम रखा गया हैं। लड़की का नाम भानुमति थी, जिसे सातो बाई के नाम से जानी जाती थी क्योंकि यह 7 भाई की सबसे छोटी बहन थी। जो पावन ग्राम तेलिनसत्ती में रहती थी। उनके भाइयों के नाम कुछ इस प्रकार थे ① क्रमशः ② कान्हा ③ बिरजू ④ गोपाल ⑤ भरस ⑥ पुरू ⑦ छोरकू 8 नंबर पर भानुमति (सातो बाई) थी। यहाँ उसका पुरा परिवार रहते थे। कुछ दिनों बाद भानुमति को किसी ~~लड़की~~ लड़के साथ प्रेम हो गया था। उस लड़के का

PRINCIPAL
Govt. P.G. College,
Dhamtari (C.G.)

उस लड़के का नाम शिवनाथ पिता का नाम (शिवराम)
सत्यानंद . गोत्र - सोनबोर (सोनवेर) था। इसका प्रेम-प्रसंग
लगातार चलते रहा. फिर एक दिन भानुमति की प्रेम
(जिसे अपना पति के रूप में मानती थी) यह भानुमति जो
उस लड़के के साथ प्रेम करती थी यह बात इसके
भाइयों को पता चल गया फिर यह बात अपनी
बहन भानुमति को पूछी की इस लड़के से सच में
प्रेम करती हो क्या करके। फिर यह बात सच
साबित हो गया लेकिन यह बात इन सभी भाईयों को
अच्छा नहीं लगा अर्थात् लड़का जिसे भानुमति (उसकी बहन)
पसंद करती थी। उनके भाइयों को लड़का पसंद
नहीं था। लेकिन भानुमति बहन की खुशी के लिए
उस लड़के को पसंद कर लेते हैं। फिर यह बात आगे
बढ़ते-बढ़ते एक दिन यह बात शादी तक पहुँच
गयी फिर लड़की ने उसके साथ शादी करने का
फैंसला लिया। उसके बाद भानुमति के भाइयों ने
उस लड़के को अपने घर में परदेशियाँ या लमसेना
के रूप में रखते है और वह लड़का उसके घर में
रहने लगता है। लड़की के भाइयो तथा भौजाईयों ने
लमसेना बनाकर रखे उसे उस लड़के को मारने
का साँजिश करते हैं और भौजाइयों के कहने पर
उसके भाइयों ने लड़के (शिवनाथ) (लमसेना रखे)
को मारने में सफल हो गए फिर उस उस
लड़के को मारकर उसे खेत खेत के मेड़ में

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

दफनाने के लिए ले गया और भानुमति जिससे प्रेम करती थी उस लड़के को उनके भाइयों ने अपने ही खेत के मेंड़ में दफनाया था लेकिन इन 7 (सात) भाइयों द्वारा गलती हो गई कि जिस लड़के को जिस खेत के मेड़ में दफनाया था तो उस लड़के के बाँए बाएँ हाथ की चीनी ऊँगली दिखाई दे रहा था और वह लोग उसे दफना कर घर चले गये जिससे उसके अगले दिन बाद जब इन 7 भाइयों कि बहन भानुमति (सातो बाई) खेत जा रही थी तो उसकी नजर उस ऊँगली पर पड़ी और वह डर गयी। फिर उस दफनाएँ हुए लड़के को पुरा निकालकर देखी तो पता चला कि वह जिस लड़के से प्रेम करती थी वह वही लड़का था। फिर भानुमति ने उस लड़के के लिए ~~लक~~ दाह संस्कार के लिए लकड़ी ईकट्ठा कर वह उस मृत लड़का की चिता तैयार किया और वह उस लड़के को लेकर स्वयं चिता में बैठ गई। और दोनों वही पर जल गये अर्थात सती हो गई यह भानुमति का नाम पति के साथ सती होने के बाद "तेलिन सती" के नाम से प्रचलित हुआ। भानुमति माता का मंदिर भी इस ग्राम में ~~स्थापित~~ स्थापित हैं।

भानुमति माता के नाम पर "भानपुरी" पड़ा। तथा पति के साथ सती होने पर "तेलिन सती" नाम पड़ा।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

④ सामाजिक संरचना :-

सामाजिक संरचना की दृष्टि से देखे तो लोग कहीं न कहीं समाज से जुड़े होते हैं चाहे वह कोई भी जाति या समुदाय के लोग हो। गाँवों के लोग सामाजिक दृष्टिकोण से आपस में बंधे होते हैं अर्थात् उसमें आपसी सहयोग, भाईचारा, आपसी सामंजस्य देखने को मिलता है वह एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं तथा आश्रित रहते हैं। ~~ग्रामीण~~ ग्रामीण क्षेत्र के लोग आपसी सहयोग तथा सामाजिक दृष्टिकोण से ~~वह~~ अपना बहुमूल्य समय तथा सहयोग देने में अग्रीम भूमिका निभाते हैं। कोई भी समस्या का हल करना हो तो वह समाज द्वारा हल करते हैं। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में सामाजिक स्तर सबसे ऊँची है। यहाँ प्रत्येक कार्यों के लिए सामाजिक का सहारा लेते हैं। किसी भी जाति के लोगों द्वारा जब कोई समस्या होती है तो उस समस्या का निराकरण उसी समाज के लोगों द्वारा इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में किया जाता है।

इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में सभी प्रकार की कार्यों के लिए समाज का सहारा लिया जाता है। "समाज" गाँवों की समस्या के निराकरण में अपनी भूमिका निभाती हैं।

कुछ ऐसे असामाजिक तत्व हैं जिसके कारण समाज का चेहरा धूमिल हो जाता है इन सभी ~~को~~ का डटकर सामना करना चाहिए ताकि हम अपने आदर्श गाँव बना सकें

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

इस असमाजिक तत्वों का हमें डटकर सामना करना चाहिए ताकि हम अपने आदर्श गाँव का आदर्श चेहरा, आदर्श अस्तित्व में ला सके तथा सबके सामने प्रकट कर सके।

④ विभिन्न जातियों का वर्गीकरण :-

इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में विभिन्न प्रकार के जातियों के लोग निवास करते हैं जिसमें प्रमुख निम्न हैं :-

① तेलि (साहू)
② कलार (सिन्हा)
③ राऊत (यादव)
④ नाई
⑤ लोहार
⑥ सतनाम
⑦ गोंड़ (ध्रुव) आदि

① तेली (साहू) :- इस जाति के लोग प्राचीन समय में पहले बीज का तेल निकालते थे जैसे- करंज का तेल, नीम का तेल। फिर उन्होंने आज धीरे-धीरे कृषि के योग्य होकर आज इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में तेलि जाति के लोगों द्वारा कृषि का कार्य किया जाता है। तेलि जाति के लोग अपना आराध्य देवी "कर्मा माता" को मानते हैं तथा

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

साथ ही, "राजीव लोचन", "दानवीर भामाशाह", "राजिम भक्तिन माता" आदि को मानते हैं साथ ही हिन्दु धर्म को भी मानते हैं। आज भी इस पावन ग्राम में तेलिनसत्ती में तेलि जाति के लोग ज्यादा संख्या में निवास ~~कर~~ करते हैं। वर्तमान समय में यहाँ इसकी जनसंख्या लगभग ...450.... हैं। वैसें तो आराध्य देवी तेलीनसत्ती माता है लेकिन जाति धर्म के आधार पर "कर्मा माता" आराध्य हैं।

(२) **कलार (मिश्र) :-** इस जाति के लोग प्राचीन समय में मंदिर बनाने का कार्य करते थे। जिसमें यह कलार द्वारा ~~बहुत~~ प्रचलन समाप्त हो गया है, और इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में कलार जाति के द्वारा अनेकों कार्य किये जाते हैं जिसे व्यवसायिक जाति के नाम से जाना जाता हैं। कलार समाज के लोग "सहस्त्रबाहु" को अपना आराध्य मानते हैं तथा इनको जयंती के रूप में मनाते हैं। यह "सहस्त्रबाहु" व ~~बहादुरीन~~ "बहादुर कलारीन" की पुजा करते हैं साथ ही हिन्दु धर्म को भी मानते हैं। वैसें तो गाँव की प्रमुख आराध्य देवी सत्ती माता है उसकी भी पुजा ~~अन~~ अर्चना की जाती है। तेलिनसत्ती में कलार जाति के लोगों की जनसंख्या लगभग ..450 हैं।

Note:- गाँव की प्रमुख आराध्य देवी 'सत्ती माता' है जिसकी पुजा सभी जाति समाज के लोग ~~करते~~ हैं। एक साथ मिलजुलकर करते हैं।

Big Boss

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

③ राउत (यादव) :- इस जाति के लोग प्राचीन समय गाय चराने का कार्य करते थे। इसे चरवाहा भी कहते थे। यह अपना आराध्य "गौ माता" तथा "श्री कृष्णा" को मानते हैं तथा इसकी पुजा अर्चना करते हैं। वर्तमान परिवेश में भी यह गाय चराते हैं तथा साथ-ही-साथ कृषि का ~~व्यवसाय~~ व्यवसाय भी करते हैं। तेलिनसत्ती में इसकी जनसंख्या लगभग 200 है। विभिन्न पर्वों जैसे दीपावली, गोवर्धन पुजा, मातर तथा ~~के~~ देवउठनी एकादशी में इनकी ~~मह~~ महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं। कृष्णाजन्माष्टमी में भी भूमिका रहती हैं। "ठाकुर देवता" की भी पुजा करते हैं।

④ नाई :- इस जाति के लोग इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में नहीं के मात्रा में है। इनकी संख्या 10 लोग है। इसे भी व्यवसायिक जाति के नाम से जाना जाता है। इसका मुख्य कार्य व्यवसाय ही होता हैं। किसी के यहां मुण्डन कार्यक्रम किया जाता है तो नाई को बुलाया जाता है। तथा किसी के यहाँ छट्ठी का कार्यक्रम रहता है तो बच्चे को मुण्डन करवाने के लिए नाई को ही बुलवाया जाता है क्योंकि यह इसका मुख्य व्यवसाय होता है।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

⑥ <u>लोहार</u> :- इस जाति के लोगों की संख्या इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में 10 से लेकर 15 तक इसकी जनसंख्या है। इसका भी मुख्य कार्य व्यवसाय है, जो कृषि औजार सामग्री का प्रबंध इन लोहार जाति के लोगों द्वारा इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में किया जाता है और आज भी इस जाति के लोग यहाँ निवास करते हैं।

⑦ <u>सतनाम</u> :- इस जाति के लोग इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में प्राचीन समय में कम थी वर्तमान में इनकी जनसंख्या 200 से 300 तक हो गयी है। ये सत्य के पुजारी होते हैं तथा अपना आराध्य "संत गुरु घासीदास" को मानते हैं। तथा 18 दिसम्बर को संत गुरु घासीदास का जयंती के रूप में मनाते हैं।

⑧ <u>गोड़</u> :- पावन ग्राम तेलिनसत्ती में गोड़ जाति के लोग प्राचीन काल से निवास कर रहे हैं और आज भी इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में गोड़ जाति के लोग निवास करते हैं। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में गोड़ जाति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस गाँव में दीपावली के समय गौरी-गौरी का निर्माण कार्य तथा गाँव की गलियों में दर्शन कराते हुए उसकी स्थापना करते हैं।

इस गाँव में गोड़ जाति जाति की जनसंख्या लगभग २०० से ३०० है। इसका प्रमुख आराध्य देव बुढ़ा देव है। तथा प्रमुख पर्व के रूप में नवाखई को मानते है। आज भी इस ग्राम में इस जाति के लोग निवास करते है।

⑤ <u>खान-पान</u> :- इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में की बात करे तो प्राचीन समय से ही यहाँ शाकाहारी भोजन का उपयोग अधिकतम है। इस गाँव में ज्यादातर शाकाहारी ही है। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जी का प्रयोग खाने में करते हैं, जैसे :- टमाटर, मटर, फूलगोभी, पत्तागोभी सेम, पालक, शिमलामिर्च, बैंगन आदि सब्जियों का उपयोग खाने के लिए किया जाता है।

प्राचीन समय में इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में चाँवल, दलहन, तिलहन, की खेती करते थे पहले चाँवल को रातभर भिगोकर रखते थे फिर अगले सुबह पका हुआ उसी चाँवल को खाते थे जिसे "बासी" कहते हैं।

इस ग्राम तेलिनसत्ती में धीरे-धीरे जागरूकता आने पर यहाँ चाँवल की खेती गेंहु की खेती करने मे परिवर्तन हो गया और ग्राम तेलिनसत्ती में गेंहु की खेती अब की जाती है। और चाँवल की खेती भी ज्यादातर इस गाँव में किया जाता है।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

⑥ वेशभूषा एवं आभूषण :-

प्राचीन समय में इस पवन ग्राम तेलिनसत्ती में लोगों द्वारा धोती बंगाली लुंगी कपड़े को पहना जाता था जिससे गांव के लोगों की पहचान आसानी से किया जा सकता था लेकिन वर्तमान समय (परिवेश) में मशीनों के अधिक उपयोग के कारण विभिन्न डिजाइनों के कपड़े आने लगे हैं तथा जो लोग धोती, बंगाली व लुंगी का उपयोग करते थे वही आज वर्तमान परिवेश में पेन्ट, शर्ट तथा जीन्स का इस्तेमाल करते हैं जिससे लोगों की पहचान आसानी से नहीं होती है।

जहाँ पुरुषों का आभूषण लुंगी, धोती, कुर्ता हुआ करता था वही महिलाएँ महिलाओं की भी विभिन्न आभूषण (श्रृंगार) हुआ करता था। जैसे :- चुड़ी, ऐंठी, माटी, बिछिया, खिनवा, करधन, लॉकेट, मंगलसूत्र पहुँची, माला, फूली, बाली, बन्धा, सुता, सिंदुर, मेंहदी बिंदी, (टिकली), कमरबन्ध, नेल पॉलिश (नखपालीस), मुंदर, अंगूठी, तथा लुगरा, लंहगा, ब्लाऊज आदि। वर्तमान परिवेश में भी यह आभूषणों का उपयोग महिलाएँ करते हैं।

पुरुषों के भी आभूषण है जो लोग आज भी इस्तेमाल या दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं जैसे :- अंगूठी, कड़ा, चुरा, मौलीधागा, बनयान, पटका, पेन्ट, धोती, माला, आदि।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

आज भी इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में पुराने रीति रिवाज तथा परम्परा वेशभूषा का उपयोग अधिकांश लोगों द्वारा किया जाता है।

⑦ मनोरंजन के साधन :-

प्राचीन समय में इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में अनेक मनोरंजन के साधन थे जैसे नाचा-गम्मत, , नाटक, बांटी, गिल्ली-डण्डा, भौंरा, बिल्लस, अंताक्षरी, टॉकीज आदि तथा अन्य कार्यक्रम जैसे रामसत्ता, रामलीला, रमा रामायण, भागवत आदि धार्मिक कार्यक्रम भी होते थे तथा वर्तमान समय में भी यह कार्यक्रम होता है।

अब इस आधुनिक समय में तेजी से परिवर्तन आते गये। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में मंडई-मेलों में मड़ई के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम नाचा-गम्मत, बच्चों का कार्यक्रम, खेलकूद, स्वतंत्रता तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा अनेकों कार्यक्रम आदि कार्यक्रम आयोजित होते हैं, इन कार्यक्रमों से इस गाँव में मनोरंजन का एक मात्र साधन बन गया है।

इन पावन ग्राम तेलिनसत्ती में वर्तमान समय में विभिन्न कार्यक्रम तथा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते है। जिससे लोगों में मनोरंजन बना रहता है तथा धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी आदर्श का परिचय देते है।

Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

(2) जन्म संस्कार :-

इस पावन ग्राम तेलियाखेड़ी में अनेक प्राचीन काल से ही प्रचलन में है। इस गाँव में किसी किसी बच्चे का जन्म होता था तो गाँव में हर्षोल्लास का माहौल रहता था। जब भी किसी बच्चे का जन्म होता था तो हल्दी का कार्यक्रम करते थे और यह कार्यक्रम उसके परिवार और गाँव वाले एकत्रित होकर बड़े हर्ष-उल्लास के साथ खुशी का माहौल बनाते थे। लेकिन अब वर्तमान समय में अधिक आधुनिक हो गया है है जिससे अनेक प्रकार के परिवर्तन आ गये हैं।

अब इस पावन ग्राम तेलियाखेड़ी में किसी के घर बच्चे का जन्म होता है तो उस बच्चे को मुण्डन कराया जाता है। और हल्दी कार्ड तैयार करते हैं जिसमें हल्दी कार्यक्रम की एक निश्चित दिन, तिथि तैयार करते हैं और इसे अपने परिवार व रिश्तेदारों को बाँटते हैं। जन्म संस्कार के अवसर पर इस ग्राम में कार्यक्रम करते हैं, जिसमें उसके परिवार और गाँव वालों द्वारा कार्यक्रम स्थल में एकत्रित होकर उस कार्यक्रम का आनंद प्राप्त करते हैं। और ० नये जन्म लिये लिये बच्चे का नामकरण करते हैं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बच्चे को आर्शिवाद देते हैं।

(७) विवाह संस्कार :-

पावन ग्राम तेलिनसत्ती में विवाह संस्कार का महत्वपूर्ण स्थान है। जब लड़के लड़कियाँ ढूंढने जाते हैं और जब लड़की पसंद आ जाती है तो दोनों पक्ष जब सहमत होते हैं तब सगाई का मुहुर्त यानि दिन तय करता हैं और सगाई कार्यक्रम सम्पन्न कराते हैं। उसके पश्चात् विवाह का मुहुर्त तय करता हैं। सामान्य बोलचाल की भाषा में विवाह को "शादी" करना कहा जाता हैं। जब विवाह का ~~मुहुर्त~~ मुहुर्त तय होता है तो दोनों पक्षों (वर एवं कन्या) (सामान्य बोलचाल की भाषा में लड़के को वर या चिरंजीवी तथा लड़की को कन्या या सौभाग्यकांक्षी कहते हैं।) द्वारा विवाह या शादी कार्ड छपाई की जाती हैं, जिसमें तिथि निश्चित होती हैं। जिसमें प्रथम दिन तेल (चुलमाटी), द्वितीय दिन मायन तीसरा दिन बारात प्रस्थान, बारात स्वागत चौथा दिन चौथिया स्वागत, चौथिया प्रस्थान होती है। इस प्रकार कार्ड छपाई पश्चात् रिश्तेदारों, सगा-संबंधी तथा गाँव वालों को न्योता दिया जाता हैं। फिर कार्यक्रम शुरू होता है प्रथम दिन वर एवं कन्या पक्ष द्वारा चुलमाटी तेल कार्यक्रम होता है फिर दूसरे दिन दोनों पक्षों द्वारा मायन का कार्यक्रम होता है जिसमें गाँव के लोगों को खाना खिलाया जाता हैं। तीसरे दिन लड़के पक्ष द्वारा बारात प्रस्थान किया जाता हैं फिर लड़की पक्ष द्वारा उस बारात का स्वागत किया जाता है और लड़की के

Govt. P.G. College Dhamtari (C.G.)

यहाँ टिकावन का कार्यक्रम होता है। चौथे दिन लड़की पक्ष द्वारा चौथिया प्रस्थान होता है जिसे लड़के पक्ष द्वारा चौथिया का स्वागत होता है किया जाता है। इस प्रकार कार्यक्रम सम्पन्न होता है। जब लड़की यहाँ टिकावन कार्यक्रम होता है तो पंडित द्वारा मंत्रोच्चार सह से कार्यक्रम सम्पन्न होता है। हिन्दु धर्म में विवाह संस्कार में "मंत्रोच्चार" का होता है जिसे "भाँवर" कहते हैं। इस प्रकार हमारे गाँव में हिन्दु-रिति-रिवाज से विवाह का संस्कार सम्पन्न होता हैं।

⑩ **मृत्यु-संस्कार :-**

पावन ग्राम तेलिनसत्ती में इस मृत्यु-संस्कार के कार्यक्रम का एक अलग ही स्थान है इस गाँव में किसी की मृत्यु होने पर गाँव और उसके रिश्तेदारों को सुचना दे दिया जाता हैं। जिससे उसके रिश्तेदारों तथा सभी व्यक्तियों को यह सुचना प्राप्त हो सके। इस पावन ग्राम में मृत लोगों के शरीर को दफनाने की परम्पराएँ है। यहाँ मृत लोगों के शरीर को जलाने अर्थात दाग देने की परम्पराएँ नहीं हैं। इस गाँव में मृतक के शरीर को पुरे रीति-रिवाज के साथ दफनाया जाता है। मृतक के शरीर को अगर जलाना या दाग देने है तो उसे दुसरे ग्राम या गाँव में ले जाकर पुरे रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न किया जाता है। इस मृत्यु कार्यक्रम में सामाजिक लोगों की जो

Big Boss

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

बात रखी जाती है उसे पूरा करते है। और कार्यक्रम की सूचना देने के लिए रिश्तेदारों को कार्ड दिया जाता है। जिससे वह उस कार्यक्रम में शामिल हो सके। इस ग्राम में यह कार्य सामाजिक तौर पर भी किया जाता है।

(11) गाँव में महिलाओं की दशा :-

इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में महिलाओं की अलग पहचान है। महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरूषों की तुलना में आगे है। इस ग्राम में जब भी कोई अन्य कार्यक्रम आयोजित होती है तो महिलाएँ उस कार्यक्रम की मुख्य हिस्सेदार होती है। इस गाँव में महिलाओं को सबसे ऊँची दर्जा दिया जाता है। विभिन्न कार्यों में महिलाएँ अपना भरपूर सहयोग प्रदान करती है। यहाँ के कार्यक्रमों में महिलाओं की सबसे बड़ी भूमिका रहती है। विभिन्न पर्वों एवं त्यौहारों में कार्यक्रम आयोजित की जाती है तो उसमें महिलाएँ भाग लेती है। इस पावन ग्राम तेलिनसत्ती में महिलाओं की दशा एवं स्थिति बहुत ही अच्छी एवं आदर्शमयी है।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

Big Boss

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी

निर्णय प्रपत्र

रंगोली प्रतियोगिता

दिनांक 20.02.2019

क.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा का नाम	प्रथम निर्णायक	द्वितीय निर्णायक	तृतीय निर्णायक	योग
	उर्वशी		15	18	20	53 सांत्वना
	कीर्ति		18	15	24	57 III
	निधि		24	21	27	72 I
	श्वेता		25	15	25	59 II

प्रथम विजेता	द्वितीय विजेता	तृतीय विजेता

प्रथम निर्णायक .... द्वितीय निर्णायक .... तृतीय निर्णायक ....

नाम व हस्ताक्षर (Dr. Anila Rajput) नाम व हस्ताक्षर .... नाम व हस्ताक्षर Smt. Jayshree Panchanga

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

D:/2015-16/ II-Letter santosh

सत्र 2018-19

आज दिनांक 01.10.2018 को कक्ष क्रमांक 06 में भूगोल परिषद का गठन किया गया जिसमें निम्नांकित पदाधिकारियों को नामांकित एवं मनोनीत किया गया —

1. अध्यक्ष – भूपेन्द्र कुमार
2. उपाध्यक्ष – कु. भूमिका
3. सचिव – कु. मानवती
4. सहसचिव – कु. वेदमाला
5. कोषाध्यक्ष – योगेश्वर (सह कोषाध्यक्ष) – कुशाल - B.A. I
   कु. उषा M.A. I Sem

कार्यकारिणी सदस्य – एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्राएं।

बी.ए. भाग तीन – 1. कु. तिलेश्वरी 4. विजय साहू
2. कु. श्वेता देवांगन 5. ओंकार प्रसाद
3. जितेन्द्र कुमार

बी.ए. भाग – दो – 1. आदर्श
2. ममता
3. किरण साहू
4. कुलेश्वरी

बी.ए. भाग – एक – 1. मनीष ठाकुर
2. भुनेश्वरी साहू
3. कु. कविता
4. योगेश्वरी
5. देवेन्द्र

[Signatures] 1/10/18 1/10/18 01.10.18 01.10.18 1/10/18

एम.ए. IV सेम
मवाना, कु. ... बी.ए. I
है —
1. हेमेन्द्र सोमेश्वर एम.ए. III सेम
2. ओंकेश साहेब - B.A. I
3. किरण रोशनी एम.ए. III सेम

... अनुसार है —

जितेन्द्र सोमेश्वर
एम.ए. IV सेम
जितेन्द्र सोमेश्वर
ए. एक

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

सत्र 2018-19

आज दिनांक 01.10.2018 को कक्ष क्रमांक 05 में भूगोल परिषद का गठन किया गया जिसमें निम्नांकित पदाधिकारियों को नामांकित एवं मनोनीत किया गया —

1. अध्यक्ष – भूपेन्द्र कुमार
2. उपाध्यक्ष – कु. भूमिका
3. सचिव – कु. मानवती
4. सहसचिव – कु. वेदमाला
5. कोषाध्यक्ष – योगेश (सह कोषाध्यक्ष) – कुशाल बी.ए. I
कु. ऊषा एम.ए. I सेम

कार्यकारिणी सदस्य – एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्राएं।

बी.ए. भाग तीन – 1. कु. तिलेश्वरी 4. विजय साहू
2. कु. श्वेता देवांगन 5. ओंकार प्रसाद
3. जितेन्द्र कुमार

बी.ए. भाग – दो – 1. आदर्श
2. ममता
3. किरण साहू
4. रूपश्री

बी.ए. भाग – एक – 1. मनीष ठाकुर
2. भुनेश्वरी साहू
3. कु. कविता
4. योगेश्वरी
5. देवेन्द्र

1/10/18 1/10/18 01.10.18 01.10.18 1/10/18

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

(बायाँ पृष्ठ, आंशिक):
... – एम.ए. IV सेम
... कु. ... बी.ए. I
है –
1. हेमेन्द्र तोमेश्वर एम.ए. I सेम
... ओमेश साहू बी.ए. I
... किरण रोशनी एम.ए. I सेम
... कुमार है —
द्वितीय सेमेस्टर
एम.ए. IV सेम
द्वितीय सेमेस्टर
... एक

सत्र 2018-19

आज दिनांक 01.10.2018 को कक्ष क्रमांक 05 में भूगोल परिषद का गठन किया गया जिसमें निम्नांकित पदाधिकारियों को नामांकित एवं मनोनीत किया गया —

1. अध्यक्ष – भूपेन्द्र कुमार
2. उपाध्यक्ष – कु. भूमिका
3. सचिव – कु. मानवती
4. सहसचिव – कु. वेदमाला
5. कोषाध्यक्ष – योगेश (सह कोषाध्यक्ष) – कुशल. बी.ए.I
   कु. उषा एम.ए.I सेम

कार्यकारिणी सदस्य – एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्र – छात्राएं ।

बी. ए. भाग तीन – 1. कु. तिलेश्वरी 4. विजय साहू
2. कु. श्वेता देवांगन 5. ओंकार प्रसाद
3. जितेन्द्र कुमार

बी. ए. भाग – दो – 1. आदर्श
2. ममता
3. किरण साहू
4. उर्वशी

बी. ए. भाग – एक – 1. मनीष ठाकुर
2. भुनेश्वरी साहू
3. कु. कविता
4. योगेश्वरी
5. देवेन्द्र

1/10/18 1/10/18 01.10.18
01.10.18
1/10/18

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

...एम. ए. IV सेम
...कु. मेनु बी.ए. I
है –

1. हेमेन्द्र तोमेश्वर एम.ए. III सेम
2. भोलेश्वर सात्विक बी.ए. I
3. किरण रोशनी एम.ए. I सेम

...अनुसार है —

तृतीय सेमेस्टर
एम. ए. IV सेम
द्वितीय सेमेस्टर
प्र. एक

उपस्थित छात्र छात्राएं

क्र.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	यशवनी	यशवनी	33	शशिकला	शशिकला
2	उषा	उषा	34	कामेश्वरी	[illegible]
3	चाँदनी साहू	चांदनी साहू	35	नंदनी	नंदनी
4	कु. मनीषा पटेल	मनीषा	36	रितेश्वरी	रितेश्वरी
5	रूखमणी साहू	रूखमणी	37	उर्वशी	[illegible]
6	सुनीता	Sunita	38	भूपेश कुमार	[illegible]
7	ज्योति सिंह	Singh	39	[illegible] कुमार	[illegible]
8	लोकेश्वरी	Lokeshwari			
9	नंदनी	Nandni Sahu			
10	भुनेश्वरी	Bhuneshwari			
11	मीरा	Meera			
12	देवकी	Devki			
13	दुर्गेश	Durgesh			
14	भूमिका	BHUMIKA			
15	आरती यादव	[illegible]			
16	पुष्पलता पटेल	पुष्पलता			
17	तुलसी	[illegible]			
18	प्रीति ध्रुव	[illegible]			
19	यामिनी सिन्हा	[illegible]			
20	रश्मि यादव	Rashmi			
21	चन्द्रिका	Chandrika			
22	पितेश्वरी साहू	Piteshwari			
23	तिलेश्वरी	तिलेश्वरी			
24	भागवता	Bhagwati			
25	दुर्गा	Durga			
26	भानवती	Bhanwati			
27	अंजनी	अंजनी			
28	ओंकार प्रसाद	O. Sahu			
29	विजय साहू	[illegible]			
30	छन्नूलाल ध्रुव	[illegible]			
31	कु. मोनिम	Monim			
32	चाँदनी	Chandani			

11.10.18

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

सूचित
तत्वा
एवं
मंजन
पत्रि
आपा
को
अध्यक्ष
उपाध्यक्ष
सचिव
सदस्य
कोषाध्
B.A.
B.A.
B.A.
R.No. 14
Roo

सूचना

भूगोल विभाग के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि भूगोल परिषद के तत्वाधान में दिनांक 4.02.19 को 1:30 बजे से एवं दिनांक 5.02.19 को 12 बजे से कक्षा क्रमांक 05 में लेखन, [illegible], रंगोली, भाषण, भारत का [illegible], पहेली, तात्कालिक भाषण, प्रश्न मंच, प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं।

इच्छुक छात्र छात्राएं निर्धारित तिथि को निर्धारित समय व स्थान पर अवश्य उपस्थित होवें।

[signature]
01.02.19
विभागाध्यक्ष

अध्यक्ष - [signature]
उपाध्यक्ष -
सचिव -
सहसचिव -
कोषाध्यक्ष - [signature]

[signature]

B.A. III [signature] 2/2/19
B.A. I [signature] 02.02.2019
B.A. I Room No. (08) [signature] 02.02.19
Rn. 14 [signature] 02.02.2019 B.A. II
Room No. [signature] 02.02.2019 B.A. II

[signature]
PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

आज दिनांक 4.2.19 को वंदन, ज्ञापन, रंगोली व मानचित्रण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सम्मिलित छात्र छात्राएं निम्नानुसार है

क्र.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1	तरुणा सिंह कुंजाम	[illegible]	30	विनिता	vinita
2	नेहा नेताम	Netam	31	परमेश्वरी साहू	परमेश्वरी
3	आरती मंडावी	Aarti	32	हेमलता साहू	Hemlata Sahu
4	आरती यादव	Aarti	33	केसर नेताम	[illegible]
5	यामिनी सिन्हा	[illegible]	34	गेमिन	गेमिन
6	तुलसी	Tulsi	35	चुनेश्वरी	Chuneshwari
7	मनीषा साहू	[illegible]	36	भानवती	Bsenda
8	रोहिणी यादव	Rohini	37	दिनेश्वरी	Dineshwari
9	जितेन्द्र कुमार	[illegible]	38	कु. ज्योति	कु. ज्योति
10	रिंकी	Rinki	39	कु. ओमेश्वरी	ओमेश्वरी
11	देवनारायण	Devnarayan	40	Bhupesh Jangade	[illegible]
12	चन्द्रिका मरकाम	Chandrika	41	BHUPENDRA.	भूपेन्द्र
13	दुर्गेश नागवंशी	[illegible]	42	Homendra Kumar	Kumar
14	कु. मोतिम	Motim	43.	menghan Dhandhi	[illegible]
15	योगिता	Jogita	44	Shekhar	[illegible]
16	कोमेश्वरी ध्रुव	[illegible]	45	तामेश्वर कुमार	Tameshwar
17	दिप्ती अम्बेडकर	Dipti	46	विष्णु कुमार	[illegible]
18	डुलेश्वरी साहू	Duleshwari	47	योगेश्वरी निर्मलकर	योगेश्वरी
19	लिलेश्वरी	lileshwari	48	कु. यामनी निर्मलकर	यामनी
20	जागृति साहू	Jagriti	49.	कु. कामनी साहू	कामनी साहू
21	कमलेश्वरी	Kamleshwari	50	कु. खेमलता साहू	खेमलता
22	चमेश्वरी	[illegible]	51	अजय राम साहू	[illegible]
23	वंदना साहू	vandana	52	Yashwant kumar	[illegible]
24	दिव्या	Divya	53	चांदनी साहू	चांदनी
25	हिना साहू	हिना साहू	54	उषा सिरमौर	उषा
26	डोमेश्वरी यादव	D. yadav	59	जागृति साहू	[illegible]
27	हेमलता साहू	Hemlata	(60)	चमेली देवांगन	[illegible]
28	तिलेश्वरी देवांगन	तिलेश्वरी	(61)	कुमारी पुष्पा	[illegible]
29	कुसुमलता सोनकर	[illegible]	(63)	मोनिका यादव	मोनिका यादव

क्र.	नाम
59	पिंकी म...
60	कविता नि...
61	उर्वशी र...
62	कमलेश्वरी...
63	चांदनी ...
64	खिलेश्वरी...
65	यामन...
64	पदम...
65	उपास...

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

59	पिंकी साहू	पिंकी साहू			
60	कविता निर्मलकर	Ravita			
61	उर्वशी साहू	[signature]			
62	जागेश्वरी साहू	Jageshwari			
63	चांदनी साहू	Chandani sahu			
64	खिलेश्वरी	Khileshwari			
65	यामनी	यामनी			
66	पदमनी	पदमनी			
67	उपासना	Upasna			

4.2.19

04-02-19

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

दिनांक 4.2.19 को गायन प्रतियोगिता में निम्न
छात्र छात्राओं ने भाग लिया
1- कु. उषा एम.ए. Ist सेम
2- भूपेन्द्र एम.ए. IIIrd सेम
3- भूपेश — " —
4- मनीषा एम.ए. Ist सेम
5- तत्वार्थसिद्ध कुमार - B.A-III
6- तामेश्वर एम.ए. IIIrd सेम
7 हेमेन्द्र - — " —
8 मोतिम - — " —
9 खेमलता - B.A-I
10 वितेश्वरी - — " —
11 तुलसी — एम.ए. Ist सेम
12 जागृति साहू - B.A-III
13 मोनिश साहू - एम.ए. IIIrd सेम

परिणाम निम्नानुसार है

प्रथम - मोनिश एम.ए. IIIrd सेम
द्वितीय - कु. वितेश्वरी B.A-I
तृतीय - " खेमलता — " —

तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता प्रतिभागियों के नाम

नाम	विषय
1- हेमेन्द्र	— मेरा महाविद्यालय
2- भूपेन्द्र	— अपना भूगोल विभाग
3- भूपेश	— हमारा विभागाध्यक्ष
4- मेमन	— विभाग के साथी लोग
5- तामेश्वर	— विभाग की कमियां
6- मोनिश	— यदि मैं प्राचार्य होता
7- दिव्लेश्वरी	— नारी शिक्षा
8- चांदनी	— मेरी दिनचर्या
9- जागेश्वरी	— मेरा गांव
10- उर्वशी	— मेरा शहर
11- मोतिम	— घर से कालेज की यात्रा

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

12.
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25

12. मोनिता - पढ़ाई मेरी नजर में
13 कोमेश्वरी - मैं एक शिक्षित कृषक हूँ
14 दीप्ति - मेरी कला
15 देवनारायण - मोबाइल
16 घनश्याम - मैं एक शिक्षित कृषक हूँ
17 मनीषा - मैं एम.ए. पूर्व की छात्रा हूँ
18 हेमलता - मेरा लक्ष्य
19 रश्मि - मेरी प्रिय वस्तु
20 आरती - मेरा प्रिय मित्र
21 पुष्पा - शून्य
22 ज्योति - मैं भूगोल की प्रो. हूँ
23 योगेश्वरी - ,,
24 चंद्रिका - मैं एवं मेरा खेल जीवन
25 भगवती - महाविद्यालय का खेल मैदान

परिणाम निम्नानुसार है -

प्रथम - कु. मोनिता - एम.ए. III सेम
द्वितीय - जागेश्वरी - ,,
तृतीय - योगेश्वरी - ,,

भारत का आउटलाइन (मानचित्रण) मैप प्रति. में 12 प्रतिभागी थे जिनका परिणाम निम्नानुसार है

प्रथम - भूपेश कुमार एम.ए. III सेम
द्वितीय - भूपेन्द्र कुमार ,,
तृतीय - सोमेन्द्र कुमार ,,

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)